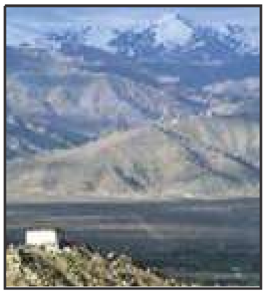

8 मानव पर्यावरण अन्तःक्रिया लद्दाख प्रदेश में जन जीवन

लद्दाख

जून माह के एक रविवार को दिनेश अपने दोस्त सोनू के घर गया हुआ था। वहाँ उसकी भेंट दिनेश के चाचा से हुई जो सेना में मेजर हैं और द्रास सेक्टर से अभी–अभी घर पहुँचे थे। दिनेश ने उनका अभिवादन किया और चरण स्पर्श किया। चाचा ने बड़े दुलार से दिनेश को गोद में उठाया व उससे उसकी पढ़ाई के विषय में पूछा, साथ ही साथ चाचा ने अपना बक्सा खोलकर सामान निकालना शुरू किया। सामान में ऊनी टोपी, मोजे, स्वेटर, कोट देखकर दिनेश को आश्चर्य हो रहा था कि आखिर इस गर्मी के मौसम में चाचा इन गरम कपड़ों को बक्से में क्यों रखे हुए हैं ?

उसने सोनू के चाचा से पूछा। चाचाजी इतनी गर्मी में आपने इतने गरम कपड़े अपने पास क्यों रखे हैं ?

चाचा हँसते हुए बोले.–बेटे मैं फौजी हूँ। अभी लद्दाख में तैनात हूँ वहाँ का जीवन और मौसम यहाँ के जैसा नहीं है। वहाँ और यहाँ की जलवायु में बहुत अंतर है, इसलिए ये चीजें साथ रखनी पड़ती हैं।

मालूम है, लद्दाख को वहाँ की भाषा में 'खा–पा–चान' कहते हैं, जिसका अर्थ होता है 'हिम भूमि' अर्थात बर्फ वाली जगह ।

तो क्या वहाँ अभी सर्दी पड़ रही है ?–दिनेश ने पूछा

हाँ, बिलकुल। यह कहते हुए उन्होंने अपने बक्से से भारत का मानचित्र निकाला और जमीन पर बिछाते हुए पूछा, भारत के सबसे उत्तर में कौन–सा राज्य है ?

दिनेश और सोनू तुरन्त बोल पड़े–जम्मू और कश्मीर

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

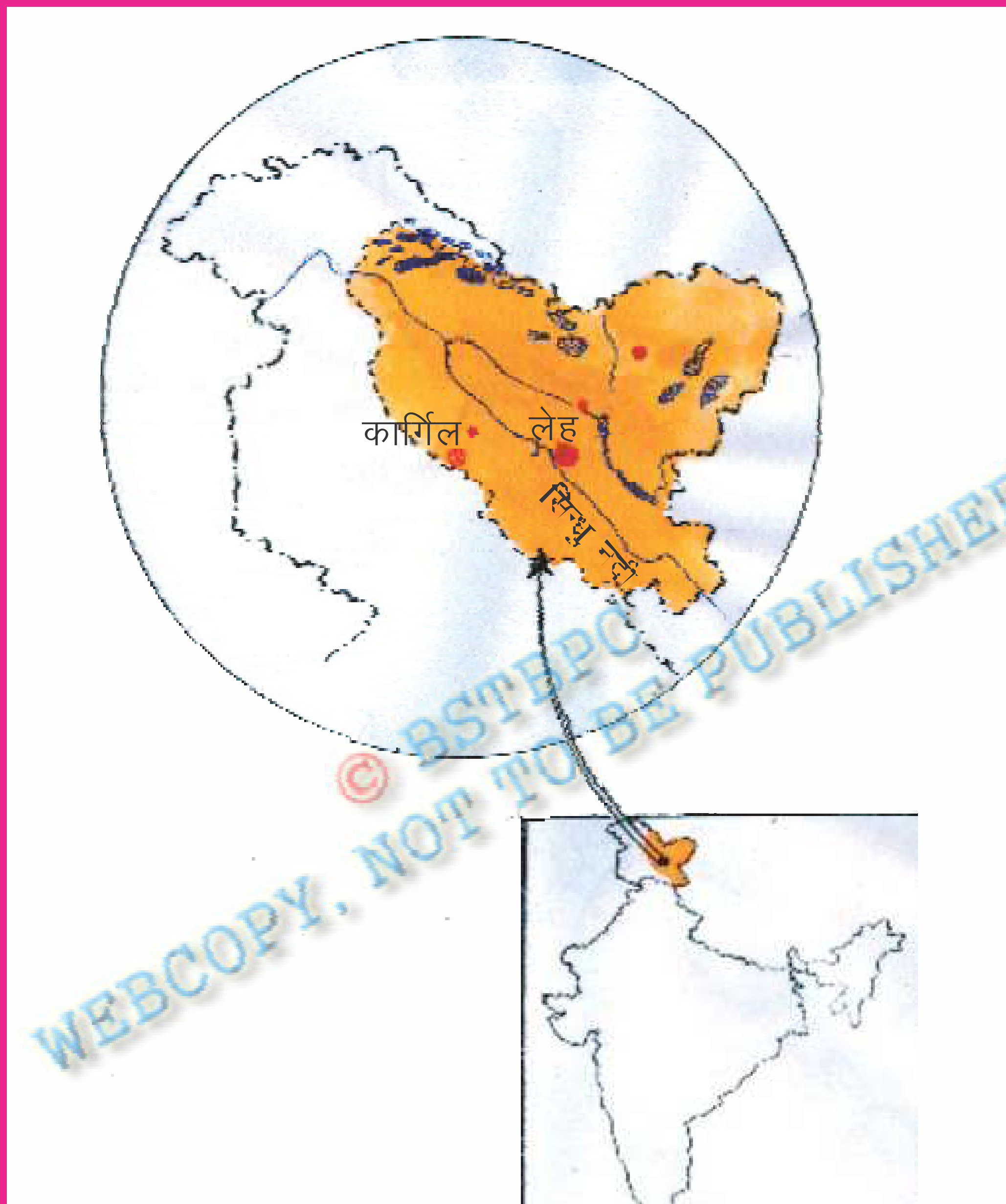

© BSTBPC
WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

चित्र– 8.1 लद्दाख का मानचित्र

चाचा–शाबाश।

अब नक्शे में गौर से देखो। लद्दाख जम्मू–कश्मीर के उत्तर–पूर्वी भाग में शुष्क शीत

चित्र– 12 लद्दाख का हिमाच्छादित इलाका

उच्च भूमि है, जो तिब्बत के पठार का एक हिस्सा हैं। इस क्षेत्र की सामान्य ऊँचाई 3600 मीटर है ।अधिक ऊँचाई के कारण जलवायु शीतल और हिमालय पहाड़ के वृष्टि छाया में पड़ने के कारण शुष्क है। यहाँ सालों भर खूब ठंड पड़ती है। दिसम्बर–जनवरी के महीने में पानी बर्फ हो जाता है। इसलिए वहाँ मई–जून के महीनों में भी गरम कपड़ों की जरूरत पड़ती है।

बरसात के महीने में क्या होता है ? सोनू पूछा।

पानी कभी–कभी बरसता है, हाँ बर्फ जरूर गिरती रहती है पानी की बूँदों की तरह –चाचा ने कहा

दिनेश और सोनू दोनों चकित थे।

सोनू ने पूछा–फिर तो वहाँ पेड़–पौधे नहीं होंगे।

''बिल्कुल नहीं हैं''। अब दोनों अवाक। फिर भला जीवन कैसा होगा ?–दोनों एक साथ पूछ बैठे।

बेटे ! उच्च शुष्कता के कारण प्रदेश उजाड़ है और वनस्पति कम है। घाटी में कहीं–कहीं पर घास एवं छोटी झाड़ियाँ मिलती हैं। सफेदा और वेद के वृक्ष जहाँ–तहाँ मिलते हैं। सेब, खुबानी और अखरोट के पेड़ मिलते हैं सूखे मेवे के अलावे पेड़ों से ईंधन और मकान बनाने के लिए लकड़ियाँ मिल जाती हैं। प्रायः हरियाली देखने को नहीं मिलती है। यहाँ की द्रास घाटी में अच्छी किस्म का जीरा पैदा किया जाता है। जौ, जई, गेहूँ और आलू भी पैदा किए जाते हैं।

चाचाजी, वहाँ नदियाँ हैं ? दिनेश ने पूछा।

हैं ना ! सिन्धु नदी लद्दाख से होकर ही तो बहती है। श्योक, नुब्रा, छो आदि बड़ी नदियाँ हैं। विद्युत उत्पादन के लिए इन नदियों का पानी काफी उपयोगी हो सकता है। जहाँ कहीं भी झरने हैं, आबादी भी उसके आस–पास ही है।

और जानवर ?–इस बार सोनू ने पूछा।

यहाँ याक नामक जानवर मिलता है जो भैंस से मिलता–जुलता होता है। इसके दूध का उपयोग पनीर और मक्खन बनाने के लिए करते हैं। जंगली भेड़ें, कुत्ते और जंगली बकरियाँ भी मिलती हैं। इन पशुओं से दूध, मांस, खाल प्राप्त करते हैं। भेड़ एवं बकरी के बालों का उपयोग ऊनी वस्त्र बनाने के लिए होता है। यहाँ कम्बल, टोपी, लोइयां, कपड़े और ऊन से बने जूतों के कुटीर उद्योग हैं।

चाचाजी वहाँ सड़कें कैसी हैं?बच्चों की उत्सुकता बढ़ती जा रही थी।

चाचा ने थोड़ी गंभीरता से कहा, वहाँ आवागमन की सुविधा बहुत ही कम है। लद्दाख का प्रमुख शहर लेह है जो सड़क मार्ग और वायु मार्ग से जुड़ा है। रेल तो वहाँ हैं, नहीं। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–1 लेह को जोजीला दर्रा से होता हुआ कश्मीर घाटी से जोड़ता है। काराकोरम दर्रा कश्मीर को तिब्बत से जोड़ता है। यह दर्रा लद्दाख से होकर गुजरता है। लेह से मनीला तक एक सड़क रोहतांग दर्रा से होकर गुजरती हैं जिसमें बहुत बड़ी सुरंग बनाई जा रही है ताकि सालों भर लद्दाख का शेष भारत से सर्म्पक बना रहे। हम सैनिक तो अक्सर हेलिकॉप्टर से ही आवागमन करते हैं। पगडंडियाँ ही आवागमन का मुख्य मार्ग हैं।

बाप रे ! सोनू बोला–वहाँ के लोग कैसे होते हैं?चाचा जी, क्या हम जैसे?

BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

हाँ–हाँ वहाँ के लोग भी हम जैसे ही होते हैं। लेकिन उनका कद छोटा और शरीर सुडौल होता है। वहाँ के निवासी ईरानी और मंगोल प्रजाति के हैं। ईरानी प्रजाति के लोग ''बाल्टोरो'' कहलाते हैं और ये मुसलमान हैं। जबकि मंगोल प्रजाति के लोग बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। लद्दाख में बौद्धों के कई बड़े–बड़े मठ हैं, इन मठों को 'गोम्पा' कहते हैं। हेमिस, थिकसे, लामायुरू प्रसिद्ध बौद्ध मठ हैं। पता है?–इन मठों को चारों तरफ से रंग बिरंगे झंडे–पताकों से घेर देते हैं। क्योंकि इनकी मान्यता है कि इन पताकाओं में लिखे संदेश हवाओं के साथ सीधे ईश्वर तक पहुँचते हैं।

यह कहते हुए उन्होंने बक्से से डिब्बा निकाला और पेड़ा निकालकर दोनों बच्चों की ओर बढ़ा दिए। ये पेड़े याक के दूध से बने हुए हैं–खाकर देखो। सोनू और दिनेश ने पेड़ें ले लिए और खाते हुए बाहर खेलने चले गए। दोनों आपस में ये भी बातें कर रहे थे कि एक ही देश में कितनी अलग–अलग परिस्थितियाँ और जलवायु हैं। व्यक्ति किस तरह प्रकृति के साथ जुड़ा हुआ है । सचमुच! प्रकृति हमारी कितनी मददगार है।

क्या आपको नहीं लगता कि हम जिस वातावरण में रहते हैं वहाँ के जानवर, फसलें, कपड़े, वनस्पतियाँ जलवायु के अनुकूल ढलने में हमारे सहयोगी हैं ?

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

अभ्यास

i. सही विकल्प को चुनें।

(1) लद्दाख की जलवायु शुष्क है क्योंकि लद्दाख का–

(क) ऊँचाई पर होना (ख) वनस्पतियों का न होना

(ग) हिमालय की वृष्टि–छाया में होना (घ) नीचाई पर होना

(2) लद्दाख में पाया जाने वाला महत्वपूर्ण जानवर है–

(क) पांडा (ख) जंगली भैंसा (ग) याक (घ) शेर

(3) कश्मीर से लद्दाख होते हुए तिब्बत को जोड़ता है–

(क) रोहतांग दर्रा (ख) काराकोरम दर्रा (ग) जोजीला दर्रा (घ) नापूला दर्रा

(4) लद्दाख में बहने वाली नदियाँ हैं–

(क) सिंधु–नर्मदा (ख) सिंधु–श्योक (ग) सिंधु–गंगा (घ) सिंधु–चिनाव

ii. खाली जगहों को भरिए–

(1) खा–पा–चान का अर्थ है...

(2) लद्दाख क्षेत्र की सामान्य ऊँचाई है...

(3) अच्छे किस्म का जीरा...घाटी में होता है।

(4) काराकोरम दर्रा कश्मीर को...से जोड़ता है।

(5) बड़े मठों को...कहते हैं।

iii. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(1) प्रकृति हमारे साथ अनुकूलित है। कैसे?

(2) लद्दाख क्षेत्र की जलवायु कैसी है?

(3) लद्दाख में विरल वनस्पति और विरल जनसंख्या क्यों है?

(4) याक की उपयोगिता हमारे यहाँ के किस पशु से मिलती है?

(5) लद्दाख जैसे ठंडे रेगिस्तानी क्षेत्र में पर्यटन की क्या संभावनाएँ हैं?

iv. क्रियाकलाप–

(1) जम्मू–कश्मीर के नक्शे चिह्नित करें–

(क) सिन्धु नदी का बहाव (ख) कराकोरम दर्रा (ग) जोजिला दर्रा

(2) ठंडे रेगिस्तानी प्रदेशों में आपको जाना है। साथ ले जाने वाले सामानों की सूची बनाइए।

(3) आप अपने और लद्दाख के निवासियों की जीवन शैली की तुलना करके पता करें कि कहाँ का जीवन अधिक कठिन है और क्यों?

♦ ♦ ♦

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED